

উৎস: নজরুল- সঙ্গীত স্বরলিপি, অষ্টম খণ্ড (দ্বিতীয় মুদ্রণ, চৈত্র ১৪০৩)। নজরুল ইন্সটিটিউট  
স্বরলিপিকার: সুধীন দাশ, ব্রহ্মমোহন ঠাকুর

ভোমার মনে ফুটবে যবে প্রথম মুকুল  
প্রিয় হে প্রিয় আমারে দিও সে প্রেমের ফুল ॥

দীর্ঘ বরষ মাস তাহারই আশে  
আগিয়া রব তব দুয়ার পাশে  
বহিবে কবে ফুল-ফোটারো  
দখিনা বাতাস অনুকুল ॥

আর কারে দাও যদি আমার সে ধ্যানের কুসুম  
কুতি নাই, ওগো প্রিয়, ভাঙুক এ অকারণ মুম।

গুঞ্জরি' গুঞ্জরি' ভ্রমর সম  
কাঁদিব ভোমারে ঘিরি', প্রিয়তম।  
হতাস বাতাস সম কুসুম ফুটারে  
চলে যাব দূরে বেড়ুল ॥

H.M.V. N 17064 ॥ শিল্পী : যুগলকান্তি ঘোষ ॥ আধুনিক ॥ তাল : কাহারু বা

[-পা]

॥

II {<sup>১</sup>মা পা <sup>১</sup>রা <sup>১</sup>রা | <sup>১</sup>রা <sup>১</sup>রা <sup>১</sup>রা <sup>১</sup>রা | পা -পা পা মপা | মপা - - - I  
তো মা র ম নে ০ ০ ০ ফ ০ট বে য ০ বে ০ ০ ০

I রা রমা রা সা | <sup>১</sup>রা <sup>১</sup>মা <sup>১</sup>পা <sup>১</sup>না | {পা ধপা পড়া জপা | জপা - - - I  
প্র থ ০ ম মু কু ০ ০ ল প্রি ০ য ০ হে ০ প্রি ০ য ০ ০ ০

[<sup>১</sup>ধা]

I রা রা <sup>১</sup>জা রা | সা - - - I সা রা মা পা | পগা -ধগা -মা -পা) II  
আ মা রে দি ও ০ ০ ০ সে প্রে মে র ফু ০ ০ ০ ল

II { না ধা পা পা | ধা পড়া জা <sup>১</sup>মা | পা না না পধা | ধরা - - - I  
দী র ঘ ব র য ০ মা স্ তা হা রি আ ০ শে ০ ০ ০

[ରୁମୀ ଉପରା -]

I ପା ଧା ଶା ଶା | ଶରୀ -ଜୀ ରୁଶା ଶଧା I ପା ଧା ଧନା ପଜା ଡପା | ଡପା - - - } I  
 ଜା ନି ଶା ଶ ବଠ ୦ ଡଠ ବଠ ସୁ ଶାଠ ରଠ ମାଠ ଶେଠ ୦ ୦ ୦

I ପା ଧରୀ ଧରୀ - | - - - - I ପା ଧା ଧା ଧା | ମା - - - - I  
 ବ ହିଠ ବେଠ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ବ ହି ବେ କ ବେ ୦ ୦ ୦

I ଜା -ରା ଯା ମା | ଧା -ମା -ଜା -ଜା I ଧରୀ ଶା ଧା ଧା | ମା - ରଜା ଶରୀ I  
 କ୍ ବ୍ କୋ ଡା ନୋ ୦ ୦ ୦ ଦ ଧି ନା ବା ଡଠ ସ୍ ଅଠ ନୁଠ

I ମାଃ -ଜା - -ମା | ଧା - - - - II  
 କ୍ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦

II {ଜା -ମା ଯା ଯା | ଯା -ମା ମା ଡା I ଡା ଯା - ମା | ଯା ଶା ଧା ଧା I  
 ଜା ଶ୍ କା ରେ ନା ୦୭ ବଠ ନି ଜାଠ ଯାଠ ଶ୍ ସେ ଧାଠ ବେ ରଠ କୁଠ

I ମା - - - - | -ମା -ଜା - - - I ପା ମା ମା - | ଧା -ଧରୀ ମା ଧା I  
 ମୁଠ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦୦ ୦ ୦ ଶ୍ କ ଡି ନା ଇ ଓ ୦୦ ମୋ ଶି

I ମା - - - - | -ଧା -ଧା -ମାଃ -ରଃ I ଶା ରୁଶା ମା - | ଧା -ଧରୀ ମା ଧା I  
 ଶ ୦ ୦ ୦୦ ୦୦ ୦ ୦ ୦ କ ଡିଠ ନା ଇ ଓ ୦୦ ମୋ ଶି

I ଧା - - - - | ଡା ଡା -ମା ମା I ଡା ଶା ଧା ଧା | ମା - - - - I  
 ଶଠ ୦ ୦ ୦ ୦ ଡାଠ ଡୁଠ ଠକ୍ ଏ ଅ କା ଶଠ ମ ସୁଠ ୦ ୦ ୦

I - - - - } I  
 ୦ ୦ ୦ ୦

[পর্সপা]

I { পখা -পা প্খা পা | মখা -পা মজা মা I প্খা না সা রজা | র্খা -না -না -না I  
 উ০ ন্ জ রি উ০ ন্ জ০ রি ব্ ম র স০ ম০ ০ ০ ০

I প্খা খা সা সর্জা | র্খা সর্গা পখা ধপা পদা -পমা জা পপা | পপা -না -না -না I  
 কাঁ দি ব তো০ মা০ রে০ ঘি০ রি০ প্রি০ ০০ র উ০ ম০ ০ ০ ০

I পা পাঃ -সঃ পা | পর্সা -পা প্খা পা I রা রা -পা মা | রা সা প্খা সা I  
 ছ তা শ্ বা তা০ স্ স ম কু সু ম্ ফু টা রে চ' লে

I -ক্রমজা রা -না | -না -না -না -না I প্খা রা মা পা | পর্সা -না র্খা র্খা I  
 মা০ ০০০ ব ০ ০ ০ ০ ০ চ' লে যা ব দূ০ ০ রে বে০

I সর্সা -না -না -না | স্-সা স্-পা প্-পা প্-মা II II  
 উ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ল্